SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, this problem of the fishermen being caught by other countries is also a continuing exercise, and referring to the information which we have, it is true that some Indian fishermen have been caught by the Sri Lankan Navy, and whenever these incidents are brought to our notice, we immediately take it up with the States concerned, both with Pakistan and Sri Lanka.

SHRI SHANKAR ROY CHOWDHURY: Sir, is it possible for the hon. Minister to disclose, perhaps, on the basis of the information they got, the point of origin of this suspicious ship?

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, the General is well aware that this type of information is never divulged because the very effectiveness of the information and source will be completely destroyed, if the source of the information is divulged.

Families in rural areas without toilets

*204. SHRI KARNENDU BHATTACHARJEE: Will the Minister of RURAL DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the number of families in rural areas without toilets in their homes;

(b) whether there is any scheme for assisting them in constructing Septic-tanks and toilets; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER FOR RURAL DEVELOPMENT (SHRI RAGHUVANSH PRASAD SINGH): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) As per 2001 Census, 10.80 crore households in rural areas were without toilet facilities in their houses.

(b) and (c) Yes, Sir. Government of India have launched Total Sanitation Campaign (TSC) under the Centrally sponsored Central Rural Sanitation Programme (CRSP) for accelerated sanitation coverage in rural areas. Under the TSC, technical guidance as well as low cost sanitary materials are made available through Production Centres or Rural Sanitary Marts to all households. The choice of technology *i.e.* to construct a septic tank or

leach pit toilet, rests with the household. In addition, financial incentive (subsidy) is given to Below Poverty Line (BPL) families for construction of household toilets. Financial incentive is also provided at the community level to Panchayati Raj Institutions for attaining full sanitation coverage in their area of jurisdiction.

SHRI KARNENDU BHATTACHARJEE: Sir, it is very unfortunate that 78 per cent of the families in rural areas live in homes without proper toilet facilities. There is lack of awareness about cleanliness. The Government is not taking keen interest in this regard. I want to know from the hon. Minister what are the steps that he is taking to have a sanitation programme at the panchayat level in the country. This is my first supplementary.

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : महोदय , ग्रामीण स्वच्छता के सम्बन्ध में सेंट्रल रूरल सेनिटेशन प्रोग्राम सन् 1986 से चालू है सन् 1999 में टोटल सेनिटेशन केम्पेन शुरू किया गया जिसमे गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों के लिए केन्द्र सरकार , राज्य सरकार से मिली – जुली सहायता दे करके इंडिविज्युअल हाउस होल्ड में पखाना बनाने का इंतजाम हो रहा है । महोदय सन् 2001 में जो जनगणना हुई उसमें दस करोड़ अस्सी लाख परिवारों में शौचालय नहीं है । लेकिन 2001 से लेकर अभी तक एक करोड़ से अधिक परिवारों में शौचालय का प्रबंध किया गया । अब नौ करोड़ अस्सी लाख परिवारों में शौचालय अभी नहीं हैं , मतलब परसंटेज के हिसाब से जहां 22 प्रतिशत परिवारों में शौचालय था वहां अभी 30 प्रतिशत परिवारों में शौचालय है , 70 प्रतिशत परिवारों में शौचालय नहीं हैं । इसलिए 464 जिलो में टोटल सेनिटेशन केम्पेन का प्रोजेक्ट शुरू कर दिया गया है । महोदय , 2005-2006 के अगले वित्तीय वर्ष में देश भर के सभी जिलों में टोटल सेनिटेशन केम्पेन चलाया जाएगा और 2010 तक हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक परिवार में शौचालय का प्रबंध हो जाए और टोटल सेनिटेशन केम्पेन सफल हो । महोदय , इसमें माननीय सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा है । जैसा माननीय सदस्य ने अच्छा प्रश्न पूछा है और पखाना पर भी और सम्पूर्ण स्वच्छता पर लोगों का ध्यान गया हैं ।

श्री सभापति : आप किस तरह का सहयोग लेना चाहते हैं कि शौचालय नहीं जाएं या आप शौचालय बनांए ?

SHRI KARNENDU BHATTACHARJEE: Sir, my second supplementary is whether his Ministry will start any sanitation campaign. The hon. Minister has got keen interest. I understand it. I would like to know whether he would start a sanitation campaign at the panchayat level. I want to know whether he would mind it or not. May I know from the hon. Minister whether he would do it or not? If you start this sanitation campaign, people would come to know that the Government of India has taken some steps for

sanitation and you should declare these things date-wise. When people come to your Department of Rural Development, the DRD, they want money. I don't know which is the nodal agency in your Department, which is going to implement the sanitation programme which you have mentioned just now. The BPL people are getting subsidy.

MR. CHAIRMAN: You please come to your question.

SHRI KARNENDU BHATTACHARJEE: Sir, I would like to know whether he would start any sanitation programme or not. This is my second supplementary. I want to know this from the hon. Minister.

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : महोदय , अवेयरनैस के लिए इंफार्मेशन , एजुकेशन , कम्युनिकेशन – आई.ई.सी . प्रोग्राम चल रहा है जिसमें जो प्रकल्प बना हुआ है जिलों में उससे पंचायती राज्य की सहायता से और इसमें एन.जी.ओज. को भी इस्तेमाल किया जा रहा है । कुछ जिलों में और कुछ राज्यों में तो बड़ा अच्छा काम हुआ है , जैसे पश्चिमी बंगाल के दीनाजपुर जिले में अच्छा काम हो रहा है । तमिलनाडु में , महाराष्ट्र में अच्छा काम हो रहा है ।

श्री सभापति : ठीक है , आप तो सीधे जवाब दे दीजिए ।

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : महोदय , इसका और अभियान चलाने के लिए निर्मल ग्राम पुरस्कार योजना चलाई जा रही है । जो ग्राम पंचायत टोटल सेनिटेशन कम्पलीट कर लेगी , उसे दो लाख से पांच लाख रूपये तक का पुरस्कार दिया जायेगा । .... ।

श्री सभापति : ठीक है , मंत्री जी आप यह बता दीजिए कि एक शौचालय बनाने पर कितना खर्चा आता है ?

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : सभापति महोदय , गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों के लिए 500 रूपये की केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा सहायता दी जाती है और सवा सौ रूपये उसको स्वयं लगाने हैं , कुल सवा छह सौ रूपये में नीचे का काम टैंक बनाने का काम हो जाता है । उसने घेरने के काम की उनकी अपनी जिम्मेदारी है । वे उसे टीन से घेर लें या तख्ता से घेर लें या टाट – पट्टी अथवा कपड़े से धेर लें । .... (**व्यवधान**)...

श्रीमती जमना देवी बारूपाल : सभापति महोदय ।*

श्री सभापति : आप बैठ जाइये । ... (**व्यवधान**) ..... आप बैठ जाइये । इसे रिकार्ड नहीं किया जायेगा । ... (**व्यवधान**) ... आप बैठ जाइये । आपका लिखा नहीं जा रहा हैं । ... (**व्यवधान**)... अब इस शौचालय से पीछा छुड़ाओं और आगे का क्वेश्चन लो ।

*Not recorded.